

Maintenance of Rake

4774. SHRI BALDEV SINGH JASROTIA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that according to the instructions existing on the Railways each rake should get primary maintenance after a run of approximately 1000 kms. and secondary maintenance after a run of 500 kms.;

(b) whether it is also a fact that G3 UP/64 Lucknow Agra Express has been extended upto Kota without any secondary maintenance at Kota though the one side run is more than 600 kms. ; and]

(c) what remedial measures are proposed by the Government to avoid the violation of rules which endangers safety?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) : (a) No. Normally Primary maintenance is given at the originating Station and secondary maintenance at the terminating Station depending on the Rake links. No kilometrage targets have been laid down for this purpose.

(b) Yes, G3 UP/64 Dn. Lucknow-Agra Express has been extended upto Kota. The Primary Maintenance of this train is based at Lucknow, the originating Station, and Safe-to-run examination at Kota, the terminating Station. After the Safe-to-run examination the train is fit to run for its return journey.

(c) Does not arise, as no Safety rules have been violated.

लखनऊ-बम्बई एक्सप्रेस और साबरमती एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में अधिक चोट-पड़

4775. श्री राधकबी : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को ज्ञात है कि लखनऊ-बम्बई एक्सप्रेस और साबरमती एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में हमेशा चोट-पड़ रहती है तथा इसके परिणामस्वरूप भारी चोट के दिनों में यात्री इन रेलगाड़ियों में नहीं चढ़ पाते हैं;

(ख) क्या सरकार का विचार इन रेलगाड़ियों को बोगियों की संख्या बढ़ाने और इनको डीजल इंजनों से चलाने का है ; और

(ग) यदि हां, तो ऐसा कब तक किया जायेगा ?

रेल मंत्रालय में राधकबी (श्री शिव नारायण) :

(क) 115/116 बम्बई-लखनऊ एक्सप्रेस और 165/166 साबरमती एक्सप्रेस गाड़ियों में कुछ चप्पों पर चोट-पड़ देखी गई है ।

(ख) और (ग). पुंजाइय न होने के कारण इन गाड़ियों में प्रतिरिक्त टिकने नहीं लगाये जा सकते । लंबी दूरी की यात्री गाड़ियों के डीजलीकरण का काम बयनात्मक माध्यम पर किया जा रहा है परन्तु यह डीजल इंजनों की उपलब्धता पर निर्भर करता है जो प्राथमिक रूप से मान यानायात की निकासी के लिए प्रयोजित है । फिर भी, जब प्रतिरिक्त डीजल रेल इंजन उपलब्ध होंगे, अन्य गाड़ियों के साथ-साथ इन गाड़ियों के डीजलीकरण के प्रश्न पर भी विचार किया जायेगा ।

मीटर गेज स्टेशन, सवाई माधोपुर के पीछे खाली पड़ी भूमि

4776. श्री भीटा लाल पटेल : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सब है कि सवाई माधोपुर जंक्शन (कोटा पश्चिम रेलवे) में मीटर गेज स्टेशन और मण्डाऊन बाजोरिया टुकानों के पीछे रेलवे भूमि का बहुत बड़ा क्षेत्र खाली पड़ा हुआ है और यदि हां, तो भूमि का कितना क्षेत्र खाली पड़ा हुआ है ;

(ख) क्या यह सब है कि इस क्षेत्र में पानी जमा हो गया है और कई वर्षों से रुका हुआ पानी सड़ांध फैला रहा है क्योंकि इस पानी को निकासी के लिए कोई रास्ता नहीं है जिसके परिणामस्वरूप वहां पर प्रायः बीमारियां फैलती हैं; और

(ग) यदि हां, तो क्या इस पानी को निकासी और इस स्थान को साफ रखने के लिए सरकार द्वारा कार्यवाही की जा रही है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी व्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं और इस स्थान को कब तक साफ कराया जायेगा ?

रेल मंत्रालय में राधकबी (श्री शिव नारायण) :

(क) से (ग). सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन के पीछे रेलवे भूमि की सीमा विवादास्पद है । रेलवे सीमा के साथ-साथ बहुत सी टुकानें/होटल आदि बन गये हैं । इन टुकानों/होटलों का पानी रेलवे क्षेत्र में स्थित कुछ मिचले भागों में जमा हो जाता है । भूमि-सीमा के बारे में विवाद का निपटारा करने और साथ ही उस क्षेत्र से पानी के निकास की समस्या के समाधान के लिए सवाई माधोपुर नोटिफाइड एरिया कमेटी के प्रतिनिधियों के साथ एक संयुक्त सर्वेक्षण किया गया था । रेलवे सीमा के साथ-साथ पानी की निकासी के लिए पक्की नाली की व्यवस्था करने के सम्बन्ध में एक प्रस्ताव पर नोटिफाइड एरिया कमेटी के साथ बात-चीत की जा रही है ।

Consumer Price of L.P. Gas

4777. SHRI P. VENKATASUBBIAH : Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state :

(a) whether the consumer price of L.P. (cooking gas) produced and marketed by

the Government owned oil companies is statutorily or otherwise fixed by the Government ;

(b) if so, the formula on which the consumer price is fixed both in the case of direct marketing by Indian Oil and Burnah Shell through their retail agents and in the case of Hindustan Petroleum through their wholesale distributors like M/s. Kosan Gas Co. and East Coast Gas Pvt. Ltd., and Domestic Gas Pvt. Ltd. ;

(c) whether it is a fact that wholesale distributors like M/s. Kosan Gas Co., Bombay and East Coast Gas Co., Visakhapatnam, while showing in their costings to Ministry as if they are allowing Rs. 3.37 p. as retail agents margin are actually paying Rs. 2.75 p. only per cylinder ; and

(d) the reasons for the delay in implementing the decision of the Government for the take over of M/s. Kosan Gas Co. as announced on the Floor of the Lok Sabha on 4th September, 1977 by the Hon'ble Minister?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) The consumer price of domestic cooking gas for all marketing companies is fixed by Government—but not statutorily.

(b) and (c). The formula on which the price to the consumer is fixed takes into account the various elements of cost, cylinder filling charges, marketing and distribution charges, margins, dealer's commission, local taxes, etc. It includes a commission of Rs. 3.37/ cylinder. While the formula applies to all the marketing companies, the commission of Rs. 3.37/ cylinder is applicable to a full-fledged agent with complete facilities/services to customers. Kosan Gas (one of the concessionaires of Hindustan Petroleum Corporation), has one main agent and some agents and sub-agents. The commission is shared between the concessionaires and their agents/sub-agents in proportion to the services/facilities provided by them. Agents are given commission ranging from Rs. 2.75 to Rs. 3.37 per cylinder and the sub-agents from Rs. 1.25 to Rs. 1.75 per cylinder depending on the services performed by them. As per arrangement reached by East Coast Gas Co./Domestic Gas Co. Pvt. Ltd., (which are the concessionaires of the Vishakh Marketing Unit of HPC—the erstwhile COIRL) with their agents directly, an amount of Rs. 2.75/ cylinder is given to their agents as against Rs. 3.37/ cylinder provided in the price build-up.

(d) Steps in this regard have already been initiated.

Consideration of Hathi Committee Report

4778. SHRI OM PRAKASH TYAGI : Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state :

(a) whether Government have considered the report of Hathi Committee ;

(b) if so, the details of the major recommendations thereof accepted by Government ;

(c) whether Government have also accepted the recommendations made in the Hathi Committee report about multinational Drug Companies ; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) to (d). Government have taken comprehensive decisions on the recommendations of the Hathi Committee and a Statement reflecting the New Drug Policy has already been laid on the Table of the House on 29th March, 1978. The said Statement contains *into alia*. Government's decisions on the regulation of activities of multi-national drug companies and summarises the recommendation of the Hathi Committee on the role of foreign companies vis-a-vis Government decisions thereon.

दिल्ली में बुकिंग गैस के लिए पंजीकरण

4779. श्री राजकोशर सिंह : क्या पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली में सभी टीम एजेंटियों में टीम के कनेक्शनों के लिए पंजीकरण काफी समय से बन्द है ; और

(ख) यदि हाँ, तो उस के क्या कारण हैं और सरकार का पंजीकरण प्रारंभ करने के लिए कब प्रादेश जारी करने का विचार है ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमचन्द्र मन्धन बहुरूपी) : (क) खाना पकाने की गैस की मांग की धपसा इस उत्पाद की लगातार कमी को देखते हुए टीम कंपनियों द्वारा (दिल्ली सहित) कुछ क्षेत्रों में तरल पेट्रोलियम टीम (खाना पकाने की गैस) के कनेक्शन प्रदान करने के लिए नामों को पंजीकरण को निरुन्माहित किया गया था ।

(ख) नेल कंपनियों को वर्ष 1980 से जब खाना पकाने की गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होनी प्रारम्भ हो जायेगी, जहाँ जहाँ भी जरूरी होगा एक विशिष्ट पमाने पर नये प्राहकों को ध्यान में रखते हुए नया पंजीकरण प्रारंभ करने की सलाह दी गयी है ।